“Training on Preparation of Bamboo Handicrafts for farmers, artisans and self help groups of Himachal Pradesh and Punjab” from 25.02.2015 to 27.02.2015.

A three days training on **“Preparation of Bamboo Handicrafts for farmers, artisans and self help groups of Himachal Pradesh and Punjab”** was held at the Common Facility Centre for Bamboo Processing and Training (CFC-BPT), Forest Products Division, Forest Research Institute from 25.02.2015 to 27.02.2015. The training was sponsored by the Forest Departments of Himachal Pradesh and Punjab. About 33 participants from different regions of these States participated in the training programme. The objective of the training was to train the farmers, artisans and self help groups on bamboo processing, seasoning, preservation and handicraft making for value addition and livelihood generation. Trainees were given practical demonstrations on chemical treatment of bamboo by boucherie technique, chemical seasoning of bamboo handicrafts using urea, use of ammonia fumigation technique and bamboo composite making. Artisans were also trained on various bamboo processing machines like cross cutter, slicer, node remover, splitter etc., which have been installed at the CFC-BPT. During the training artisans were also trained to prepare products like mats, baskets, trays, vases, table frames and other household items. There are multitudes of different products that can be made from bamboo, giving producers a wide range of options. In bamboo product making many stages are involved, which provide opportunities for value addition of the products and employment generation to the poor. Activities like coloring, weaving and fine splitting of bamboo were taught during the training. Dr. Sadhna Tripathi, Scientist and Head, Forest Products Division expressed hope that after the three days training, participants will learn about utilization and importance of value added bamboo handicrafts for livelihood generation. This way, Forest Research Institute is helping in promoting a sustainable method of livelihood for farmers, artisans and self help groups. The scientists and technical staff of Forest Products Division imparted valuable input to the trainees on various aspects of value addition of bamboo products during the training programme.

“हिमाचल प्रदेश एवं पंजाब के कारीगरों, किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए बांस हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम” 25 से 27 फरवरी, 2015

सामान्य सुविधा केन्द्र (CFCBPT), वनोपज प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा **“ हिमाचल प्रदेश एवं पंजाब के कारीगरों, किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए बांस हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम”** दिनांक **25 से 27 फरवरी 2015** तक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश व पंजाब के वन विभाग के निवेदन पर आयोजित किया गया। इन राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से 33 प्रतिभागियों (कारीगर, किसान एवं स्वयं सहायता समूह) इस प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मूल्य संवर्द्धन और आजीविका के लिए कारीगरों को बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षित करना था। CFCBPT में बांस प्रसंस्करण की मशीनें लगायी हैं। इन मशीनों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इनका उद्देश्य मुख्यतः बांस की उपयोगिता बढ़ाना तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। अतः इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत निम्नलिखित चीजें सिखानें का प्रावधान रखा गया था जिसमें मुख्य रूप से चटाई, टोकरी, फूलदान, ट्रे तथा रसोई में साग–सब्जियाँ रखने हेतु आकर्षक डिजाईन की वस्तुएं बनाना था। इन सभी चीजों के अलावा बांस के द्वारा घरेलु फर्नीचर बनाने पर भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बांस के मूल्यवर्धन एंव उचित उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। डॉ0 साधना त्रिपाठी, प्रभाग प्रमुख, वनोपज प्रभाग ने बताया कि इस कार्यक्रम में बांस के उपयोग एवं बांस से बनाई जाने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के मूल्यवर्धन के प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस कार्यक्रम में बांस संशोषण, बांस मैट बोर्ड, बांस परिरक्षण तथा बांस हस्तशिल्प उत्पादों में पॉलिश की तकनीकों के विषयों पर वैज्ञानिकों/तकनिकी सहायको/कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।